मध्यप्रदेश विधान सभा सचिवालय
Madhya Pradesh Legislative Assembly Secretariat
Indira Gandhi Vidhan Bhawan,
Arera Hills,Bhopal(M.P.)

स मा चा र

'असंदीय शब्द एवं वाक्यांश संग्रह' पुस्तक का विमोचन
लोकतंत्र के मंदिर की गरिमा बनाए रखने की जिम्मेदारी सदस्यों की: श्री गौतम

भोपाल, 8 अगस्त । मध्यप्रदेश विधान सभा स्थित मानसरोवर सभागार में विधानसभा सचिवालय द्वारा सदस्यों के उपयोगार्थ तैयार की गई 'असंसदीय शब्द एवं वाक्यांश संग्रहष् पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम, मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान, नेता प्रतिपक्ष श्री कमलनाथ, संसदीय कार्य एवं गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक डा. गोविंद सिंह सहित मध्यप्रदेश शासन के अनेक माननीय मंत्रिगण, माननीय सदस्यगण एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम ने कहा कि लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है तो इस मंदिर की गरिमा बनी रहे, जनता की आस्था इस लोकतंत्र के मंदिर के प्रति प्रगाढ़ हो इसकी जिम्मेदारी भी हम सभी सदस्यों की ही है। हम सभी को यह प्रयास करना है कि आवेश, गुस्से या किसी भी परिस्थिति में माननीय सदस्य ऐसे शब्द का प्रयोग सदन में नहीं करेंगे जो असंसदीय हैं। विधानसभा सचिवालय ने अब तक सदन में जिन शब्दों को विलोपित किया गया है उसकी पूरी जानकारी इस पुस्तक में दी गई है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे सभी माननीय सदस्य गंभीर एवं प्रदेश के विकास के प्रति समर्पित हैं। वे चुनाव जीत कर जनता के समर्थन से यहां पहुंचे हैं। आप जनता के नायक हैं, इसलिए ऐसा व्यवहार ही करें कि आपकी नायक की छवि में और सुधार हो।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान ने कहा कि हम कई बार जिन शब्दों का प्रयोग संसदीय भाषा में करते हैं उससे सही संदेश नहीं जाता है। विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है, ईंट और गारे का सिर्फ भवन नहीं है। यहां प्रतिपक्ष हो या सत्ता पक्ष अपनी बात तथ्यों, तर्कों के साथ रखते हैं। लेकिन सदन में बहस ऐसी हो उसमें भाषा संसदीय होना चाहिए एवं सदन कह गरिमा बनी रहना चाहिए। असंसदीय शब्द कौनसे हैं जो नहीं बोले जाने चाहिए इस पुस्तक में विस्तार से दिए गए हैं। यह पुस्तक सभी सदस्यों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष श्री कमलनाथ ने कहा कि प्रसन्नता का विषय है कि संसदीय शब्दावली पर पुस्तक तैयार की गई है। भारत को स्वतंत्रता दिलाने वाले महापुरूषों का स्वपन था कि भारत में ऐसे प्रजांतत्र की स्थापना हो जो संपूर्ण विश्व में एक उदाहरण प्रस्तुत करे। आज भारत की महानता उसके प्रजातंत्र से पहचानी जाती है। हमारी संसदीय पंरपरा की अपनी एक पहचान है, इसलिए सभी सदस्यों को ऐसा आचरण करना चाहिए जिससे प्रजातंत्र की यह पहचान बनी रहे।

स्वागत उद्बोधन विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव श्री ए.पी.सिंह ने दिया। मुख्य सचेतक एवं पूर्व मंत्री डा. गोविंद सिंह ने आभार व्यक्त किया।

वि.स./ज.स./21

(नरेन्द्र मिश्रा)

अवर सचिव

दूरभाष : जनसंपर्क शाखा: (+91-755) 2523065, 2523028, 2440221 फैक्स: (+91-755) 2440238
ई-मेल : vidhansabha-mp@nic.in वेबसाइट : http://www.mpvidhansabha.nic.in